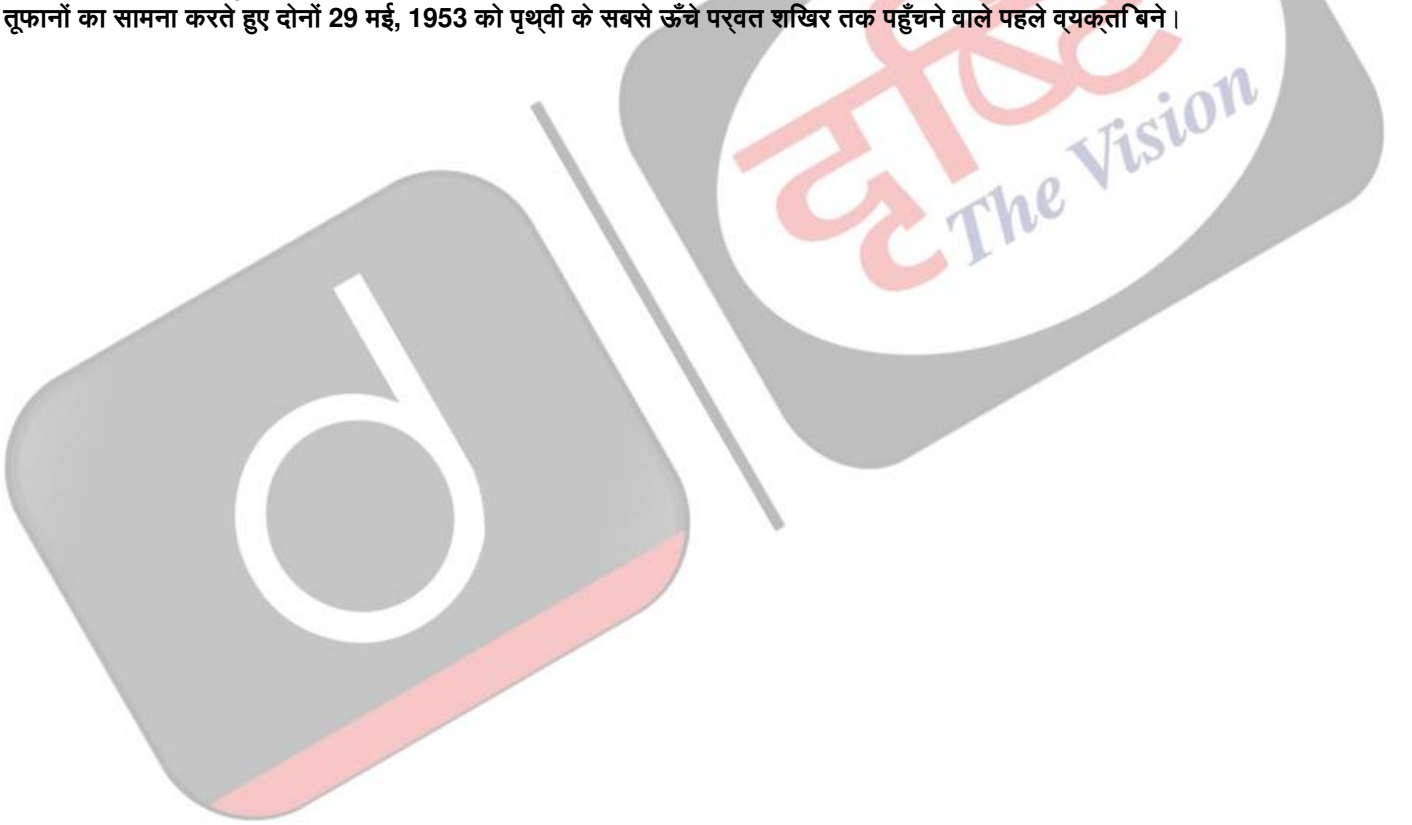


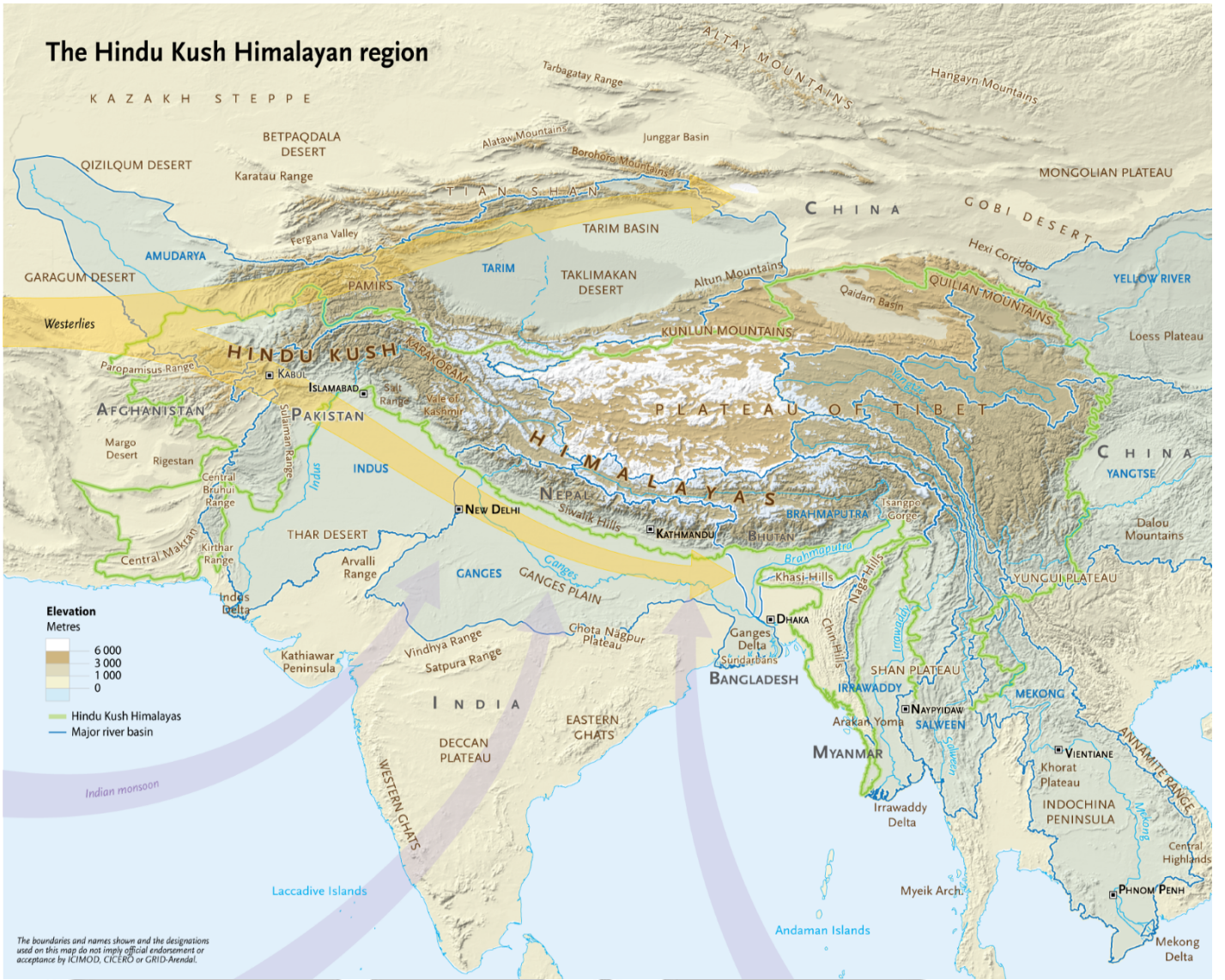


## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 31 मई, 2023

### हमालय को जलवायु परिवर्तन से बचाने के लिये तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता

**माउंट एवरेस्ट** सहित **हिंदू-कुश हिमालय (HKH) क्षेत्र** को ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापन) के कारण अपरिवर्तनीय परिवर्तनों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ता तापमान पर्यावरण को खतरे में डाल रहा है, इसके कारण आने वाले 70 वर्षों में दो-तर्हिाई **हमिनद** पघिल सकते हैं तथा चरम मौसमी घटनाओं में लगातार वृद्धि हो सकती है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD) **पेरसि समझौते** का सम्मान करने, उत्सर्जन में कटौती करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा में संक्रमण के लिये तत्काल वैश्विक कार्रवाई का आह्वान करता है। SaveOurSnow अभियान को जनता के समर्थन की आवश्यकता है। 240 मिलियन लोगों तथा महत्त्वपूर्ण जल संसाधनों पर खतरे को देखते हुए हिमालय के संरक्षण हेतु तत्काल कार्रवाई किये जाने की आवश्यकता है। ICIMOD एक अंतर-सरकारी ज्ञान एवं शक्ति केंद्र है जो HKH के आठ क्षेत्रीय सदस्य देशों- **अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्यांमार, नेपाल और पाकिस्तान** में लोगों को सशक्त बनाने हेतु अनुसंधान, सूचना तथा नवाचारों को विकसित एवं साझा करता है। अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दविस 29 मई को न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी तथा नेपाल के तेनजिंग नोर्गे शेर्पा की उल्लेखनीय उपलब्धि के सम्मान में मनाया जाता है। बर्फ और लूफानों का सामना करते हुए दोनों 29 मई, 1953 को पृथ्वी के सबसे ऊँचे पर्वत शिखर तक पहुँचने वाले पहले व्यक्ति बने।





//

और पढ़ें... [Hindu Kush Himalaya \(HKH\) region](#)

## ओडशा की पलूर नहर में 'ईल' की नई प्रजात की खोज की गई

[भारतीय प्राणी सर्वेक्षण \(ZSI\)](#) के वैज्ञानिकों ने ओडशा के गंजम ज़िले के पलूर नहर में ईल की एक नई प्रजात की पहचान की है। प्राचीन ओडशा के नाम पर इसे पसिडोनोफिस कलगा नाम दिया गया, यह ईल परिवार ओफचिथडि और ऑर्डर एंगुइलफोरमेस से संबंधित है। यह दखिने में सांप जैसा है और इसकी लंबाई 560 मिलीमीटर से 7 मीटर तक हो सकती है। यह खोज एशिया के सबसे बड़े खारे पानी के लैगून [चलिका लैगून](#) और आसपास के पलूर नहर में की गई। सितंबर से नवंबर तक मानसून के मौसम के दौरान इस क्षेत्र में नई प्रजात, पसिडोनोफिस कलगा प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। डीएनए विश्लेषण ने पहले ग्रहण किये गए पसिडोनोफिस बोरो (चावल-धान ईल) से इसके भिन्न होने की पुष्टि की। इस खोज से भारतीय जल में पसिडोनोफिस प्रजातियों की कुल संख्या बढ़कर तीन हो गई है।

और पढ़ें... [भारतीय प्राणी सर्वेक्षण \(ZSI\)](#)

## मुंबई ट्रांस हार्बर लकि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई ट्रांस हार्बर लकि (MTHL) पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और लोगों के लिये "ईजी ऑफ लविंग" के महत्त्व को बढ़ाने पर बल दिया। MTHL एक उल्लेखनीय बुनियादी ढाँचा परियोजना है जो मुंबई महानगर क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बदलने की क्षमता रखती है जसि सेवरी-नहावा शेवा ट्रांस हार्बर लकि के रूप में भी जाना जाता है। इसके निर्माण के साथ MTHL का लक्ष्य 21.8 किलोमीटर का 6-लेन एक्सेस-कंट्रोल एक्सप्रेसवे ग्रेड रोड ब्रिज बनाना है जसिसे यह भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल बन जाएगा। MTHL का निर्माण कार्य पूरा होने से यातायात की बारहमासी समस्या दूर हो जाएगी तथा सेवरी और चरिले के बीच यात्रा का समय केवल 15 से 20 मिनट का हो जाएगा जसिसे यात्रियों को दैनिक जीवन के कार्यों में बहुत राहत होगी। ओपन रोड टोलिंग सिस्टम के साथ MTHL पर बना वाहनों को रोके या धीमा कर टोल एकत्र करने की वधि अपनाने वाली देश की पहली परियोजना बन गई है। यह नवीन दृष्टिकोण यातायात प्रवाह को व्यवस्थित करता है और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर तथा कैमरों का उपयोग करके पुल की दक्षता बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त MTHL ऑर्थोटोपिक स्टील डेक प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है। यह एक निर्माण वधि है जो पुल की संरचना को ताकत और लचीलापन प्रदान करती है। यह स्टील डेक तकनीक पुल के हल्के ढाँचे को बनाए रखते हुए भारी वाहनों का अधिक भार उठाने की क्षमता प्रदान करती है।



और पढ़ें... [भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर नीति](#)

## भारत के प्रत्यक्ष वदेशी नविश में गरिवट

वर्तित वर्ष 2022-23 में भारत में [प्रत्यक्ष वदेशी नविश \(FDI\)](#) प्रवाह में गरिवट देखी गई, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (DPIIT) द्वारा इसके वैश्विक कारकों की पहचान की गई है। उदार FDI नीतियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के बावजूद [कठोर ब्याज दरों](#) और बगिड़ती [भू-राजनीतिक स्थिति](#) के संयुक्त प्रभाव ने देश में नविश करने के लिये नविशकों के विश्वास एवं गरीबी में गरिवट की संभावना को कम कर दिया है। [पाँच महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों- कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, निर्माण, शिक्षा, ऑटोमोबाइल तथा धातुकर्म उद्योगों](#) में उल्लेखनीय गरिवट देखी गई है। [पछिले वृत्तीय वर्ष में कुल FDI में 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर](#) के एक महत्त्वपूर्ण हिससे के संकुचन के पीछे के वशिष्ट कारणों को उजागर करने के लिये एक व्यापक वश्लेषण की आवश्यकता है। FDI प्रवाह में गरिवट के परिणाम अधिक गंभीर हैं, क्योंकि FDI इक्वटी प्रवाह में 22% की गरिवट आई है जो वृत्तीय वर्ष 2022-23 में 46 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी। वशिष रूप से पहली तमिही जनवरी-मार्च के दौरान नविश में 40.5% की भारी गरिवट आई, यह कुल 9.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी। FDI प्रवाह में इस तरह की गरिवट [भारत के आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों और तकनीकी प्रगति में बढ़ा](#) उत्पन्न करती है। इस स्थितिसे नपिटने के लिये नीति निर्माताओं और हतिधारकों को वैश्विक एवं क्षेत्र-वशिष्ट दोनों चुनौतियों पर वचिर करते हुए FDI प्रवाह को प्रभावित करने वाले कारकों का व्यापक वश्लेषण करना चाहिये।

और पढ़ें... [प्रत्यक्ष वदेशी नविश \(FDI\)](#)

